वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 196 शुक्रवार 11 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में मौसम बदला

जयपुर में तीन दिन में दूसरी बार बारिश-ओले

तेज हवा के साथ आधा घंटा तेज बरसात

जयपुर. कासं

जयपुर में गुरुवार को अचानक मौसम पलटा और बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक जयपुर के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बरसात हुई, जिससे तापमान में कमी होने के साथ ही सर्दी बढ़ गई। राजधानी जयपुर में जेएलएन रोड, टोंक रोड, 22 गोदाम, मालवीय नगर, सांगानेर, सोडाला, सिविल लाइंस, सहित कई जगहों पर तेज बरसात हुई। इस दौरान तेज गति से हवाएं भी चलीं। मौसम विभाग के मुताबिक मौसम में अचानक बदलाव लोकल लेवल पर हुई क्लाउडिंग से हुआ। इस क्लाउडिंग का असर सीकर और नागौर जिलों में भी देखने को मिला। अचानक हुई बरसात से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। जगह-जगह सडकों पर पानी भर गया और यातायात बाधित हुआ। दो वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। बरसात होने से मौसम में ठंडक घुल गई। बीती रात

न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं प्रदेश के अन्य जिलों के तापमान में भी कमी रिकॉर्ड की गई है। प्रदेश में बाड़मेर को छोड़कर बाकी हिस्सों का रात का पारा 11.0 डिग्री से 19.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया। देर रात और अलसुबह कई शहरों में हल्का कोहरा और धुंध भी छायी रही। जयपुर के अलावा अन्य शहरों में तापमान गिरने से गुरुवार को सर्दी का असर तेज रहा। हालांकि जयपुर में दिन की शुरूआत धूप के साथ ही हुई थी लेकिन दिन का पारा भी पिछले दिनों की तुलना में कम रहा। उत्तरी राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ क्षेत्र में सुबह हल्की धुंध, कोहरा छाया राहा, लेकिन सूरज चढने. के साथ ही मौसम साफ होने लगा। मौसम विभाग ने शुक्रवार से उत्तरी हवाओं के चलने से तापमान में और गिरावट होने के साथ ही ठंड बढने.की भी संभावना जताई है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का कुछ असर हिमाचल और उत्तराखंड में देखने को मिलेगा। इस सिस्टम के पास आउट होने के बाद बर्फीली हवाएं आने लगेगी। जो मैदानी इलाकों में तापमान गिरने लगेगा। राजस्थान में 11 नवंबर से उत्तरी हवाओं का असर धीरे-धीरे बढने.लगेगा। दिन-रात के तापमान में गिरावट होने लगेगी। तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी हो सकती है।

हाउसिंग बोर्ड में होगी 311 कार्मिकों की भर्ती, भरे जाएंगे रिक्त पद

जयपुर. कासं। राजस्थान आवासन मण्डल में जल्द ही रिक्त पदों पर भर्ती होगी। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने मण्डल में 311 कार्मिकों की भर्ती प्रकिया को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। एलओआई जारी करने तथा भर्ती एजेंसी का चयन करने की प्रक्रिया को दो सप्ताह के भीतर पूरा कर मंडल में कार्मिकों की कमी को शीघ्र दूर किया जाएगा। आवासन आयुक्त ने गुरूवार को बोर्ड रूम में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। यूनियन के पदाधिकारियों के साथ मंडल प्रशासन की 17 सूत्री मांगपत्र पर करीब डेढ़ घंटे तक वार्ता हुई, जिसमें लगभग सभी मांगों पर मंडल प्रशासन एवं संघ के बीच सहमति बनी। यूनियन के पदाधिकारियों ने मंडल में लैंड बैंक की स्थापना करने, भूमि अवाप्ति प्रकरणों का शीघ्र निष्पादन किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। आवासन आयुक्त ने बताया कि जयपुर, उदयपुर, निवाई, पाली आदि स्थानों पर जमीनों के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जिन पर हाल ही में प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास की अध्यक्षता में हुई बैठक में सहमति दी जा चुकी है। बैठक में यूनियन पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के पेंशन फंड एवं लीव सैलरी फंड में मंडल द्वारा 13 करोड़ रूपए एकमुश्त जमा कराने पर मंडल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

फार्म हाउस में घुसे बघेरे का दायां पैर बुरी तरह जख्मी, होगा इलाज

जयपुर. कासं। वन्यजीवों का शहरी क्षेत्र में आने का सिलसिला समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा है। गुरुवार को भी बघेरा अपनी सरहद पार करते हुए एक फार्म हाउस में जा छिपा। जामडोली के पास जयसिंह पुरा खोर स्थित एक फार्म हाउस में बघेरे के घुसने की सूचना से

हडकम्प मच गया। सूचना मिलने पर जयपुर जू के पशु चिकित्सक डॉ. अशोक तंवर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बघेरे को ट्रैंकुलाइज किया। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को जयसिंह पुरा खोर में जैन दादाबाड़ी केशव विद्यापीठ में एक तक्षशिला फॉर्म हाउस में एक फार्म हाउस में नर बघेरा घुस गया। बघेरा फार्म हाउस के टॉयलेट में जा घुसा, जिसे देखकर मौके पर कार्यरत कार्मिक घबरा गए और उन्हें उसे टॉयलेट में ही बंद कर दिया। इसके बाद फार्म मालिक राहुल जैन ने इसकी सूचना वन विभाग और टीम रक्षा को दी। सूचना मिलने पर जयपुर जू के पशु चिकित्सक डॉ. अशोक तंवर और राजेंद्र सिंह की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद उसे ट्रैंकुलाइज किया।

आचार्य श्री की महाआरती कर आचार्य पदारोहण दिवस बहुत भक्ति भाव पूर्वक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान के जयपुर कैपिटल संभाग की सिद्धार्थ नगर इकाई के सदस्यों द्वारा श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर सिद्धार्थ नगर में संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 51 वां आचार्य पदारोहण दिवस बहुत भक्ति भाव पूर्वक मनाया गया। श्रीमती विद्युत लुहाडिया ने बताया कि सुबह सभी सदस्यों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की अष्ट द्रव्यों से पूजन की और शाम को आचार्य श्री की महाआरती कर अपनी भावांजली आचार्य श्री के प्रति समर्पित की ।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 10-b स्कीम में आचार्य पद आरोहण दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 10-b स्कीम में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 51 वे आचार्य पद आरोहण दिवस के अवसर पर मंदिर जी मे प्रातः विद्यासागर विधान बहुत ही भक्ति भाव के साथ किया गया तथा शाम को 8:00 बजे मंदिर जी में समस्त समाज द्वारा प्रत्येक के हाथ में दीपक लेकर 51 दीपक के साथ भव्य महाआरती की गई ।

गाजे-बाजे के साथ राष्ट्रसंत आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज ने किया मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारकजी की नसिया जयपुर में 4 माह तक ऐतिहासिक चतुर्मास संपूर्ण करके राष्ट्रसन्त आचार्यश्री सुनीलसागर जी महाराज ने श्री दिगंबर जैन मंदिर मारू जी जोहरी बाजार के लिए गाजे बाजे के साथ मंगल विहार किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष देव प्रकाश खंडाका व प्रमुख संयोजक रुपेंद्र छाबड़ा अशोक ने बताया कि मंगल विहार में संयोजक राजेश गंगवाल, चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल, श्री दिगंबर जैन मंदिर मारू जी अध्यक्ष कुशल ठोलिया, संघ सारथी अजीत कासलीवाल, प्रदीप जैन, जनशक्ति विकास फाउंडेशन के अध्यक्ष वीबी जैन, शांति कुमार सोगानी जापान वाले, संतकुमार खण्डाका, मुकेश जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रातः 5:00 बजे से ही श्रद्धालुओं का भट्टारक जी की नसिया में तांता लगा हुआ था। मंगल विहार में क्षुल्लकश्री विजयंतसागरजी महाराज व ब्रह्मचारिणी अमृता दीदी ने व्यवस्थाओं में विशेष योगदान दिया। मंगल विहार से पूर्व शांति धारा का आयोजन कर विश्व शांति के लिए मंगल कामना की गई। मंगल विहार में अहिंसा सन्देश यात्रा रथ लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

महावीर नगर जैन मंदिर मे हुआ महाआरती का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर नगर मे आचार्य श्री विधासागर जी महाराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस 10 नवम्बर पर पूरे समाज द्वारा महाआरती की गई । महिला महासमिति राजस्थान अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज महावीर नगर के बहुत से गण मान्य श्रावक उपस्थित रहे।

झड़वासा में ईएनटी शिविर सम्पन्न, 50 मरीजों को मिला लाभ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। क्षेत्र के झड़वासा में लगा ईएनटी शिविर करीब 50 मरीजों को मिला लाभ। गुरुवार को सरपंच भँवर सिंह गौड की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में मेट्रो सिटी अस्पताल जयपुर द्वारा झड़वासा के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर डॉ. राजेश सनी की देख रेख में निःशुल्क ईएनटी शिविर लगया गया जिसमे ग्राम पंचायत झड़वासा के 50 नाक, कान व गले के मरीजों ने लाभ लिया साथ ही 5 कान के मरीजों को सर्जिकल समस्या होने से जयपुर रैफर भी किया। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी मेनका टेकवानी, कनिष्ठ लिपिक अमित चावरिया, वार्ड पंच शिवराज जाट, ई मित्र संचालक रामचन्द्र गुर्जर, सांवर लाल खारोल, मनसुख जाट, सुरेश रामदेव खाती व चंद्रकांता खाती और कालू भड़क आदि की सेवाएं सराहनीय रही।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म, गायत्री नगर जयपुर में महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री विद्या सागर जी के 51वें स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस पर श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म, गायत्री नगर जयपुर में रात्रि 08 बजे महाआरती की गयी। महावीर जैन, अध्यक्ष राष्ट्रीय जैन जागरण मंच ने बताया कि मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा व मंत्री राजेश बोहरा, श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल जयपुर कैपिटल , संभाग की अध्यक्ष श्रीमती मंन्जु जैन सेवावाले सहित समाज के 105 गणमान्य महानुभावों ने महाआरती में उपस्तिथि रह कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

वेद ज्ञान

स्वांतः सुखाय...

श्रेय और प्रेय दो शब्द हैं। श्रेय पारलौकिक और आध्यात्मिक सुख है। मनुष्य के जीवन का उद्देश्य ऐश्वर्य भोग नहीं है। उसे जिस आध्यात्मिक सुख को अंतिम समय में प्राप्त करना है, उसी को श्रेय कहते हैं। वहीं प्रेय का अर्थ है सांसारिक सुख और ऐश्वर्य भोग। जो प्रिय लगे, जो हमें संसार से बांधे। इस संसार की समस्त कामनाएं, ऐषणाएं, वासनाएं आदि। मनुष्य जिसे संसार सुख के लिए प्राप्त करे। श्रेय विराट का प्रत्यक्षीकरण है और प्रेय स्व का निजीकरण है, जैसे उपासना और आराधना। उपासना व्यक्तिगत पूजा है, आराधना सार्वलौकिक पूजा है। इसलिए प्रेयस व्यक्तिगत कामना की पूर्ति है, अनंत इच्छाओं की पूर्ति का प्रयास है और श्रेयस संपूर्ण मानवीय मूल्यों के लोक मंगलकारी विचारों को समझने का प्रयास है। मनुष्य जब तक कामनाओं में बंधा रहता है, तब तक प्रेयस के परिवेश में रहता है और ज्यों ही उसकी कामनाएं व्यापक बन जाती हैं, व्यष्टि से समष्टि की ओर चली जाती हैं, वह श्रेयस बन जाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है, स्वांतः सुखाय... अर्थात अपने सुख के लिए रामायण लिख रहा हूं, लेकिन उनका स्व, उनका स्वांतःपर बन गया, क्योंकि उनका स्व लोक मंगलकारी बन गया। स्व और पर विरोधी शब्द नहीं हैं। स्व का दायरा जब फैल जाता है, स्व का जब विस्तार हो जाता है, तब वह लोकमंगलकारी बन जाता है। मनुष्य कोई कृति करता है, पुस्तक लिखता है, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल बनवाता है। पहले वह अपने सुख के लिए उसका निर्माण करता है, लेकिन जब उस निर्माण कार्य से जनकल्याण होने लगता है, तो वह उसका अपना सुख नहीं रहता। वह जनमानस का सुख बन जाता है। जब तक वह किसी व्यक्ति के हित के लिए था, तब तक वह प्रेयस था, लेकिन ज्यों ही यह जनकल्याण के लिए समर्पित हो गया तो यह श्रेयस बन गया। मनुष्य कृति करता है अपने लिए, लेकिन जब वह कृति लोक कल्याणकारी बन जाती है तो वह किसी व्यक्ति की नहीं रहती। कीर्ति हमेशा जीवित रहती है। यह लोकमंगलकारी भाव है, वही श्रेयस है। श्रीकृष्ण की गीता, मात्र श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद है। युद्ध से भागते हुए एक योद्धा को श्रीकृष्ण ने समझाया है। यहां तक इन दोनों की व्यक्तिगत बातचीत है, लेकिन आज वह बातचीत पूरे विश्व ब्रह्मांड के लिए लोक मंगलकारी उपदेश बन गई है।

संपादकीय

एंतोनियो गुतारेस ने क्यों चेताया

धरती के बिगड़ते पर्यावरण को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने जिस अंदाज में सभी देशों को चेताया है, उसका मतलब यही है कि अगर जल्द ही हमने पर्यावरण नहीं सुधारा तो आने वाले वक्त में अपने को बचा पाना मुश्किल हो जाएगा। मिस्र के शर्म अल-शेख में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन यानी कॉप 27 के मंच से गुतारेस ने साफ कहा कि मानव जाति को बचाने के लिए अब कोई बहुत वक्त नहीं बचा है। इसलिए हमें अब यह तय करना होगा कि धरती को बचाने के लिए या तो हम एकजुट होकर तेजी से काम करें या सामूहिक रूप से खुदकुशी का फैसला कर लें। हालांकि ऐसी चेतावनी कोई पहली बार नहीं आई है। हर साल होने वाले इस वैश्विक पर्यावरण सम्मेलन में विशेषज्ञ और प्रतिनिधि देशों के नेता यह चिंता जाहिर करते आए हैं। लेकिन

विडंबना यह है कि अभी तक धरती को बचाने के प्रयासों में वैसी तेजी दिखाई नहीं दी है, जैसी होनी चाहिए। इसके पीछे कारण कोई नए नहीं हैं। कहना न होगा कि धरती को बचाने की मुहिम अमीर और गरीब देशों के खेमे में बंट गई है और अमीर-गरीब की इस राजनीति में पर्यावरण बचाने की मुहिम कहीं पीछे छूटती नजर आ रही है। इसीलिए यह सवाल भी लंबे समय से बना हुआ है कि पर्यावरण की रक्षा के लिए होने वाला खर्च कहां से आए? क्या सिर्फ विकासशील और गरीब देश ही पर्यावरण खराब कर रहे हैं? हकीकत तो यह है कि पिछली दो सदियों के दौरान पश्चिम में जिस तरह का भौतिकवादी विकास हुआ है, वह पर्यावरण की कीमत पर ही हुआ है। जबकि धरती के पर्यावरण को बिगाड़ने का ठीकरा गरीब और विकासशील देशों पर फोड़ा जाता रहा है। पर्यावरण को सुधारने के लिए अमीर देशों का गुट गरीब देशों पर ही दबाव बनाते रहे हैं। इसके लिए उन पर कठोर कदम उठाने का दबाव डाला जा रहा है। यह ऐसा जटिल मुद्दा है जो शर्म अल-शेख में पहले दो दिन में उठा है। छोटे से देश बारबाडोस के प्रधानमंत्री ने इस मंच से साफ कहा कि जो कंपनियां जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही हैं, उनसे पैसा वसूला जाए और उस पैसे को जलवायु संकट से निपटने के लिए गरीब देशों को दिया जाए। ऐसे मुद्दे को समर्थन देने वालों में भारत भी है। हाल में आक्सफेम ने अपनी एक रिपोर्ट जारी कर सबको चौंका दिया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के एक सौ पच्चीस सबसे अमीर लोग कार्बन उत्सर्जन के मामले में भी सबसे आगे हैं। इन लोगों के जो उद्योग हैं, वे कार्बन उत्सर्जन करते हैं, जबकि पर्यावरण को बचाने में इनकी कोई भागीदारी या जिम्मेदारी नहीं है। विडंबना तो यह है कि अमीर देशों का गुट लंबे समय से जीवाश्म इंधन के इस्तेमाल को घटाने और इसे पूरी तरह से बंद करने पर जोर दे रहा है। ऐसा दबाव विकासशील और गरीबों देशों पर ज्यादा है। इसमें भी एशिया के देशों की संख्या कहीं ज्यादा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भ्रम के पहाड़

चुनावों के दौरान राजनीतिक दल कुछ ऐसे मुद्दे तलाशते हैं, जिनके जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित कर वोट बटोरा जा सके। जो सत्ता में होता है, उसकी कमियां गिनाना विपक्ष के लिए आसान होता है और उसके पास मुद्दे भी कई होते हैं। मगर सत्तापक्ष को विपक्ष की कमजोरियों पर अंगुली रखने के लिए उसी के दांव से पटखनी देने की जुगत भिड़ानी पड़ती है। दिल्ली में नगर निगम के चुनाव घोषित हो चुके हैं। यहां मुख्य रूप से भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी कुश्ती होनी है। भाजपा एमसीडी की बागडोर संभाले हुई है, तो आम आदमी पार्टी विधानसभा की। यानी एक तरह से दोनों सत्ता में भी हैं और विपक्ष में भी। चूंकि चुनाव नगर निगम का होना है, इसलिए आम आदमी पार्टी ने प्रमुख मुद्दा उसी के कामकाज को बनाया है। चुनाव प्रचार की शुरूआत ही आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कूड़े के पहाड़ से की। अब उनकी पार्टी कूड़े के मसले पर जनसंवाद करने जा रही है। दिल्ली में वर्षों से कूड़े के पहाड़ खड़े हैं, एकाध की ऊंचाई तो कुतुब मीनार से भी अधिक बताई जाती है। मगर विचित्र है कि वे इस बार के नगर निगम चुनाव में मुद्दा बन रहे हैं। आम आदमी पार्टी के मुद्दे में सुई चुभोने के लिए भाजपा ने यमुना की गंदगी और पर्यावरण प्रदूषण को मुद्दा बना लिया है। एक कचरे के पहाड़ की बात करता है, तो दूसरा हवा में फैली गंदगी का सवाल उठा देता है। ये सारे मुद्दे आज के नहीं हैं। यह भी सब जानते हैं कि बेशक दिल्ली में इन समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी अलग-अलग महकमों की है, पर सच्चाई यह भी है कि इनका समाधान केवल एक के वश की बात नहीं है। मगर यहां दोनों पार्टियां साल भर बस एक दूसरे के काम में टांग अड़ाने में लगी रहती हैं। एक दूसरे के सिर ठीकरा फोड़ कर अपना कर्तव्य पूरा मान लेती रही हैं। बल्कि कई बार तो लगता है कि वे इस कोशिश में रहती हैं कि कैसे दूसरे के हिस्से की समस्या बढ़े और वे उस पर दोषारोपण कर जनता में वाहवाही लूट सकें। जब केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के कामकाज राजनीतिक नफे-नुकसान नजर से किए जाने लगते हैं, तो समस्याओं के पहाड़ इसी तरह सिर उठाते हैं। फिर राजनीतिक दल भ्रम के पहाड़ खड़ा कर लोगों को भरमाने की कोशिश करते देखे जाते हैं। ये बातें किसी भी दल से छिपी नहीं हैं कि चाहे वह कचरे के निस्तारण में नाकामी हो, हवा में घुलते-बढ़ते जहरीले रसायनों का स्तर हो या फिर यमुना के पानी में गिरते विषैले नाले, इनका दुष्प्रभाव आखिरकार आम लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। इन कचरे के पहाड़ों के कई किलोमीटर के दायरे में बसी बस्तियों में रहने वालों को हर वक्त कितने तरह के विषाणुओं का प्रकोप सहना पड़ता है, जहरीली हवा में सांस लेना किस कदर लोगों को मुश्किल हो चुका है, यमुना का विषैला पानी कैसे लोगों के जीवन पर दुष्प्रभाव डाल रहा है, ये बातें किसी से छिपी नहीं हैं। इसी आबो-हवा में तमाम राजनीतिक दलों के लोगों को भी सांस लेनी पड़ती है। फिर भी मिलजुल कर इसके समाधान की कोशिश कभी नहीं की जाती। चुनाव के समय भले इन समस्याओं के जरिए वोट खींचने का प्रयास किया जा रहा है, पर चुनाव के बाद ये समस्याएं वाकई समाप्त हो जाएंगी, इसका दावा कोई नहीं कर सकता।

भगवान महावीर भगवान के जयघोष के बीच रवाना हुआ अहिंसा रथ, 70 हजार किमी. की यात्रा करेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर भगवान 2550 वां निर्माण महोत्सव समिति की ओर तैयार किया गया अहिंसा रथ आज आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां से जौहरी बाजार स्थित मारू जी का चौक के लिए रवाना हुआ। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भगवान महावीर के जयकारों से गूंज उठा। कमल पर विराजमान भगवान महावीर की मनोहारी और अनुपम प्रतिमा व आकर्षक ढंग से सजे इस रथ को मार्ग में लोग निहारते नजर आए। गूंज रहे भगवान महावीर के जयकारों से मार्ग को भक्तिरस से भिगो रहे थे। रथ में चातुर्मास व्यवस्था समिति के समाजसेवी राजीव जैन गाजियाबाद वाले,राजेश गंगवाल,मनोज झांझरी ओम प्रकाश जैन (मामा), रूपेन्द्र छबड़ा, रमेश बोहरा, शांति सोगानी, मुकेश जैन, गजेन्द्र जैन सहित अन्य लोग विराजमान होकर चल रहे थे। जिन-जिन मार्गों-मार्गों से यह रथ गुजरा,वे सभी मार्ग भक्तिरस रस और अध्यात्म के सागर में भीगे नजर आए।यह रथ नारायण सिंह सर्किल से अजमेरी गेट,से जौहरी बाजार होता हुआ मारू जी का चौक पहुंचा,जहां पर समाजबंधुओं ने इस रथ की भगवान के जयकारे लगाकर अगवानी की। समिति आगामी वर्ष 2023 में भगवान महावीर का निवार्णोत्सव धूमधाम से मनाएगी। भगवान महावीर के संदेश जियो और जीने दो, अहिंसा परमो धर्म, सत्य अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, अनेकांतवाद, क्षमा को जन-जन के उद्देश्य को लेकर यह अहिंसा रथ तैयार किया गया है,जो पूरे देश भर में घूमकर बड़ी संख्या में जैन समाज सहित अन्य समाजों के करीब 10 करोड़ लोगों को जागरूक करेगा। रथ राजस्थान के अलावा देश के अन्य राज्यों में भ्रमण कर करीब 70 हजार किलोमीटर की आध्यात्मिक यात्रा पूर्ण करेगा। पहले यह रथ राजस्थान में भ्रमण करेगा। इसके बाद यहां से यह रथ तमिलनाडू जाएंगा,वहां लोगों को महावीर के संदेशों का प्रसार-प्रचार कर आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, गोवा होते हुए अगले साल अक्टूबर में यह रथ दिल्ली पहुंचेंगा। इस बीच रथ की अगवानी पुणे में प्रख्यात समाजसेवी अन्ना हजारे करेंगे ।दिल्ली में रथ के पहुंचने पर अगवानी पी एम नरेन्द्र मोदी करेंगे। गौरतलब है कि गत 31अक्टूबर को आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज, आचार्य श्री निश्चय सागर व आचार्यश्री शशांक सागर महाराज संसंघ की मौजूदगी में हुए समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में पूजा-अर्चना की थी। इस मौके पर लोकेन्द्र मुनि, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश वैदिक, डॉ.निर्मल जैन,चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष देव प्रकाश खंडाका, फिरोज बख्त अहमद,श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, श्रीमहावीर भगवान 2550वां निर्माण महोत्सव समिति के अध्यक्ष मणीन्द्र जैन सहित अन्य विशिष्ठजन मौजूद रहे थे।

पुनियां का प्रयास लाया रंग

राजकीय महाविद्यालय किशनगढ़ रेनवाल में 2 संकाय और स्वीकृत

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया।

रेनवाल। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में 2 अतिरिक्त संकाय स्वीकृत हुए हैं। युवा कांग्रेसी नेता सुरेश पूनिया ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय में 2 संकाय स्वीकृत हुए हैं। अब 200 सीट की जगह कला संकाय में 400 सीट हो गई। पूनिया ने कहा वो सभी वंचित विधार्थी जो एडमिशन से वंचित थें, वो इसी वर्ष राजकीय महाविद्यालय किशनगढ़ रेनवाल में 200 और सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 51वां आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। शत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के 51वे आचार्य पदारोहण दिवस पर महासीमीति महा सम्भाग व सकल दिगम्बर जैन समाज। कुचामन सिटी के सानिध्य दिगम्बर जैन नई नशीयाजी सायं काल 8 बजे आरती करते महिला मण्डल के किरण, उषा झांझरी अंशु मंजु पहाड़ियां मंजू बड़जात्या मन्दिर अध्यक्ष सुमेरमल बज, सोभागमल गंगवाल, सन्तोष, सुभाष, अजित पहाड़ियां बिनोद झांझरी गायक गोरव पाटनी, संजय, राजकुमार, तेजकुमार, मनीष, धनराज, अमित, जैन व समाज के श्रावक श्राविकाओं ने भक्ति भाव से आरती कि गई।

भक्तिभाव से मनाया विश्व-वंदनीय जैन संत आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का '51 वां स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस'

सीकर. शाबाश इंडिया। परम श्रद्धेय महाकवि जगद्गुरु संत शिरोमणि दिगम्बराचार्य 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस मार्गशीर्ष कृष्णा द्वितीया गुरुवार, 10 नवंबर 2022 को सीकर सहित पूरे देश भर में मनाया गया। दिगंबर जैन महिला महा समिति सीकर संभाग की सुमन बड़जात्या व विनीता काला ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला महासमिति के आह्वान पर पूरे देश भर में एक साथ एक ही समय ठीक संध्याकालीन 8:00 बजे महाआरती की गई। सीकर के जैन भवन परिसर में सम्पूर्ण दिगम्बर जैन समाज द्वारा 108 दीपकों से आचार्य श्री की महाआरती की गई। विवेक पाटोदी ने बताया कि विश्व - वंदनीय जैन संत आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज भारत भूमि के प्रखर तपस्वी, चिंतक, कठोर साधक, लेखक हैं। वे धर्म और अध्यात्म के प्रभावी प्रवक्ता व श्रमण संस्कृति एवं जैन ही नहीं जन जन के शिखर संत हैं। पिछले पांच दशक से त्याग, तपस्या, ज्ञान, साधना, संयम, आराधना और अपनी करुणा के प्रभाव से जिन शासन की ध्वजा का शीर्ष ऊंचा कर रहे हैं। उनके व्यक्ति, कृतित्व एवं चिंतन में वसुधैव कुटुम्बकम व लोक कल्याण की उदात्त भावना समाहित है। आचार्य श्री वर्तमान में भारत की वसुधा पर साधनारत जैन संतों में सबसे श्रेष्ठ व ज्येष्ठ संत हैं। वे स्व कल्याण के साथ-साथ लोक कल्याण की भावना से समृद्ध एक राष्ट्र हितैषी संत हैं। उनका संपूर्ण जीवन त्यागमय है जिन पर हमारी संस्कृति, समाज और राष्ट्र गौरव करता है। इस पंचम काल में श्रमण संस्कृति के ऐसे शिखर संत का हमारे बीच होना हम सबके लिए गर्व और गौरव की बात है।

मुरेना में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का रथयात्रा के साथ हुआ निष्ठापन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। संस्कारधानी, ज्ञान नगरी मुरेना में सिद्धों की आराधना का 9 दिवसीय महोत्सव सानन्द हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। सकल नायक परिवार गढ़ी वालों के पुण्य के निमित्त से 09 दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ में अशरीरी सिद्ध भगवान की पूजा अर्चना विधान का आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर मुरेना में परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज एवं प्रशममूर्ति श्रमणमुनि 108 श्री अजीत सागर जी महाराज ससंघ के पावन आशीर्वाद, परम पूज्य क्षुल्लिका 105 श्री अक्षत मति माताजी, परम पूज्य ब्रह्मचारिणी बहन अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी के पावन सान्निध्य एवं पंडित राजेंद्र शास्त्री मगरोनी वालों के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान समस्त विधाओं का राजा होता है इस कारण इसकी तुलना अन्य किसी विधान से नहीं की जा सकती। सिद्धचक्र महामंडल विधान का पुण्य लाभ न केवल श्री मंदिर जी को अपितु श्री गोपाल दिगंबर जैन संस्कृत महाविद्यालय मुरैना को एवं श्री ज्ञान तीर्थ क्षेत्र मुरैना के साथ-साथ सकल दिगंबर जैन समाज मुरैना को प्राप्त प्राप्त हुआ। सकल नायक परिवार गढ़ी वालों द्वारा कराए गए इस सिद्धचक्र महामंडल विधान की उपलब्धि स्वरूप श्री बड़े जैन मंदिर जी को श्रीजी के अभिषेक के लिए दो स्वर्ण कलश, मंदिर जी के चार नवनिर्मित शिखर पर कलश स्थापना, श्री मंदिर जी में सोलर ऊर्जा पैनल लगाए जाने बाबत एवं सकल दिगंबर जैन समाज मुरैना द्वारा सिद्ध क्षेत्र

सम्मेद शिखरजी में सिद्ध चक्र विधान का आयोजन के साथ साथ श्री ज्ञान तीर्थ क्षेत्र मुरैना मैं दिनांक 1 फरवरी 2022 से 6 फरवरी 2022 तक होने वाले पंचकल्याणक के लिए एवं श्री गोपाल दिगंबर जैन संस्कृत महाविद्यालय मैं पढ़ने वाले बच्चों के लिए भी प्रचुर मात्रा में दान राशि प्राप्त हुई। विधान के अंतिम दिन विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस शुभावसर पर श्री जिनेन्द्र प्रभु को रथ में विराजमान कर भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। बैंड बाजे, घोड़ा, बग्घी से सुसज्जित भव्य एवं विशाल जुलूस ने बड़े जैन मंदिर की परिक्रमा लगाकर, नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। जुलूस के मंदिर जी में पहुचने पर श्री जी पूजन, कलशाभिषेक एवं शांतिधारा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधानाचार्य राजेन्द्र जी शास्त्री सहित सभी ब्रह्मचारिणी बहिनों एवं अतिथियों का सम्मान किया गया।

दिवाली स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह 13 को

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान के बैनर तले दिवाली स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह 13 नवम्बर को दोपहर 3 बजे सीकर रोड रोड स्थित हंस पैराडाइज में धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही है। महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने बताया कि समारोह का शुभारंभ 13 नवम्बर को दोहर 3 बजे से खेलकूद प्रतियोगिता से होगा। मुख्य समारोह का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना व दीप प्रज्जवलन से होगा। महामंत्री मक्खन कांडा ने बताया कि इस मौके पर 100 से ज्यादा पदों का सम्मान किया जाएगा। समारोह में 3 हजार के आसपास अग्रबंधु भाग लेंगे। युवा प्रदेशाध्यक्ष उत्तम जिदल व युवा जिलाध्यक्ष अभिजीत गोयल ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए उत्तम जिंदल,टिल्लू रूंडल,प्रेम गोयल, सीए संजय गुप्ता,सुनील रिंगस्या,कमलेश अग्रवाल व प्रकाश मित्तल को संयोजक बनाया है।

जयकारों के बीच गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का जयपुर से श्री महावीरजी की ओर हुआ मंगल विहार

आज होगा मोहनपुरा दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश, ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए हो रहा विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का शुक्रवार,11 नवम्बर को मोहनपुरा के दिगम्बर जैन मंदिर में जयकारों के बीच भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व गुरुवार 10 नवम्बर को माताजी ससंघ का जयकारों के बीच कानोता के बज फार्म हाउस पर भव्य मंगल प्रवेश हुआ। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का गुरुवार को प्रातः 6.30बजे राणाजी जी की नसियां से मंगल विहार कर बज फार्म हाउस पहुंची। जहां दिनेश बज परिवार एवं चातुर्मास कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा माताजी ससंघ की भव्य अगवानी की गई इस मौके पर समाजश्रेष्ठी रमेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद,पी सी छाबड़ा, जिनेन्द्र जैन जीतू, आलोक मित्तल, सुबोध चांदवाड,दीपक बिलाला,अजय बड़जात्या,पवन जैन, अशोक पाटोदी , मनोज सोनी,सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं समन्वयक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि माताजी ससंघ का जयपुर से महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए मंगल विहार चल रहा है। विहार समिति के सूर्य प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि गुरुवार को माताजी दोपहर बाद बज फार्म हाउस

से रवाना होकर सायंकाल खोखा वाला स्कूल पहुंची। इस मौके पर पदमपुरा कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के संरक्षक सुभाष चन्द जैन, विनोद जैन कोटखावदा,कमल वैद, सुरेश ठोलिया, दिनेश बज, महेन्द्र बख्शी,कुन्थी लाल रावकां, विनेश सोगानी,सलिल जैन, राज कुमार बड़जात्या,विक्रम जैन , राजेन्द्र जैन खैरवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। रात्रि विश्राम खोखा वाला स्कूल में हुआ।

अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज का पारणा निर्विघ्न सम्पन्न

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया। तीर्थराज सम्मेदशिखर जी मे अन्तर्मना के पारणा निर्विघ्न हो इसके लिए बीसपंथी कोठी में प्रथम बार स्वर्णमय 1008 श्री धर्म नाथ भगवान का सौम्य मूर्ति पूज्य मुनि 108 पीयूष सागर जी मुनिराज के सानिध्य में अभिषेक ओर विशेष शांतिधारा दिलीप-सुनीता हुम्मड परिवार बड़ोदरा के द्वारा किया गया ।इसके पश्चात जैन धर्म के सबसे कम उम्र के तपस्या में रत सिंह निष्क्रिय व्रत धारण करने वाले पूज्य अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज का 557 दिन के मौन साधना में 60 दिन आहार ग्रहण करने की श्रृंखला में आज 417 वाँ दिन के मौन उपवास में 54 वॉ निरन्तराय आहार हुवा। अन्तर्मना मुनि श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज 8 महीना पर्वत राज पर मौन साधना और एकांत में रहते हुवे कर अभी बीस पंथी कोठी में विराजमान है ।जहाँ आज 10 दिनों बाद पारणा हुवा इस पारणा में मधुबन में विराजमान आचार्य श्री 108 विशद सागर जी मुनिराज, आचार्य श्री 108 प्रमुख सागर मुनिराज,आचार्य श्री 108 कुलभद्र नंदी जी मुनिराज, आचार्य श्री 108 निरंजन सागर जी मुनिराज,मुनि श्री 108 पुण्य सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 मोक्ष सागर जी महाराज अन्तर्मना शिष्य सौम्य मूर्ति मुनि श्री 108 पीयूष सागर जी महाराज के साथ लगभग 51 पीछी धारी मुनिराज,आर्यिका के मंगल सानिध्य में आज आहार सम्पन्न हुआ ।इस अवसर पर विशेष रूप से हैदराबाद के जैन मनोज चौधरी,भोपाल के बिट्टू जैन,लालगोला से जैन मनोज छाबडा,धूलियांन से मनोज जैन,अजय जैन,कोडरमा से जैन राज कुमार अजमेरा,आयुष जैन शामिल हुवे। कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा ।

आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के 51 वें आचार्य पदारोहण दिवस के पावन अवसर पर वाहन रैली का आयोजन

पुष्पवर्षा कर वाहन रैली किया भव्य स्वागत

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के 51 वें आचार्य पदारोहण दिवस के पावन अवसर पर सकल दि जैन समाज अजमेर के तत्वावधान मे जिनशासन तीर्थक्षेत्र नाकामदार से निकाली गई भव्य वाहन रैली का आगरा गेट उत्तार पर श्री दि.जैन मुनि संघ सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ढोल के साथ पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। प्रवक्ता पदम सोगानी ने बताया इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, कोमल लुहाडिया, विनय पाटनी, राजेन्द्र पाटनी, नितिन दोसी, नरेन्द्र गोधा,लोकेश ढिलवारी, नीरज पाटनी, योगेश बाकलीवाल, प्रकाश पाटनी,ललित पाण्डया, सुमनेश दोसी, राजेश दोसी, रिपेन्द्र कासलीवाल, मनोज गोधा, नितिन जैन, मनीष पाटनी, शांता काला आदि मौजूद थे ।

मुनि शुभम सागर महाराज ने कहा...

निज आत्मा में ही आनंद है ...

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया।

भीलवाड़ा। निज आत्मा में ही आनंद है। आनंद स्वभाव की दृष्टि बनानी है। अपने ज्ञान का उपयोग करें। मुनि शुभम सागर महाराज पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित कर रहे थे। मुनि ने कहा कि भेद विज्ञान पापों से बचा लेता है ।दृष्टि बदलने से अनंत सुखों को प्राप्त कर सकते हैं।मुनिश्री ने कहा कि भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलकर अपना कल्याण करना चाहिए। स्वाध्याय, जिनेंद्र भक्ति द्वारा आत्म तत्व की अनुभूति होती है। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि 11 नवंबर को मुनि ससंघ के सानिध्य में दोपहर 12:15 बजे पदमप्रभु मंडल विधान पूजा आयोजित होगी।सायकाल भक्तामर आरती व महिला मंडल द्वारा भक्ति संध्या आयोजित होगी ।

नम आंखों से दी आचार्य विनीत सागर ससंघ को विदाई

कांमा. शाबाश इंडिया। पुण्य जिसका प्रबल होता है साधु संत उधर ही खिंचे चले आते हैं कामां नगरी के श्रावकों का भी पुण्य प्रबल था जो तीसरा वषायोग यहाँ सम्पन्न हुआ है। यहां के लोग बड़े ही धर्मात्मा एवं संतों की सेवा करने वाले तो है ही साथ ही युवा वर्ग, महिलाएं एवं बच्चे भी धर्म के मार्ग पर अग्रसर हैं उक्त प्रवचन कामा के विजय मती त्यागी आश्रम में गुरुवार को विदाई समारोह के दौरान आचार्य विनीत सागर महाराज ने व्यक्त किए। आचार्य ने कहा आज के दिन को खोए क्यों ,जो नही मिल सका उसके लिए रोएं क्यो अर्थात जो आपको आज प्राप्त हो रहा है उसका पूरा लाभ उठाएं और विगत गल्तियों के लिए पश्चाताप करने की बजाय गलती का दोहराव न हो ऐसा कार्य करें। इस अवसर पर मुनि अजितसागर महाराज ने भी कहा कि यहां के युवा वर्ग में धर्म के गुण विद्यमान है। विदाई समारोह में संजना जैन बड़जात्या, संजय जैन सर्राफ, मीना रामगढ़िया,नमन जैन, काव्य जैन,अंशु जैन,अंजू जैन ने महाराज के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्य विनीत सागर वात्सल्य का भंडार हैं।

जन-जन के उद्धारक आचार्य विद्यासागर पदारोपण पर भक्तों ने किया नमन

मुनि श्री के सानिध्य में संगीतमय पूजन और महाआरती में झूमे भक्त

ललितपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्रेष्ठ श्री विद्यासागर महाराज का आचार्य पदारोहण समारोह प्रातःकाल श्री अभिनंदनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्रपाल मंदिर में निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर महाराज के ससंघ सानिध्य में प्रभावना पूर्वक मनाया गया। प्रातःकाल पूजन अभिषेक के उपरान्त पुर्ण्याजक परिवार ने शान्तिधारा का पुर्ण्याजन किया। महिला मण्डल ने भक्तिमय पूजन एवं सायंकाल संगीतमय आरती कर गुरूवर को नमन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य श्री के चित्र का अनावरण अखिल भारतीय विद्वत परिषद के महामंत्री सुरेन्द्र भारती बुरहानपुर, पं. सुरेश जैन दमोह, वीरेन्द्र जैन, शीतलप्रसाद जैन ने श्रावक श्रेष्ठियों के साथ किया मुनि श्री के पादप्रक्षालन के उपरान्त ब्रहमचारी व्र. प्रदीप जैन सुयश अशोकनगर ने आचार्य श्री की संगीतमय पूजन सम्पन्न कराई जिसमें जिनवाणी संरक्षण मंण्डली द्वारा पूजन की स्थापना की। सुधा कलश भक्ताम्मर मण्डल, विद्या आदर्श श्राविका मण्डल, दि. जैन महिला परिषद, भारतीय जैन मिलन महिला, विद्या आदर्श श्राविका मण्डल, नंदा सुनंदा महिला मण्डल, चन्द्रप्रभु महिला मण्डल नया मंदिर, डोढाघाट, ब्राहमी सुन्दरी महिला संभाग, सुधा कलश संभाग, विद्या पुनीत महिला मण्डल, नीली श्राविका महिला मण्डल ने अर्घ समर्पित किए जवलिक जलचंदन बालिका मण्डल एवं जयमाला भक्ति पूर्वक पाठशाला परिवार द्वारा की गई। मुनि सुधासागर ने गुरू की महिमा को अतुलनीय बताते हुए कहा गुरूदेव के उपकार अनंत है। गुरूदेव जनजन के उद्धारक और प्राणीमात्र को सन्मार्ग दिखाने वाले हैं। उनके तप संयम साधना को नमन करते हुए प्रभु से कामना करते हैं कि वह सन्मार्ग दिखाते रहे जिनको देखकर लोग कल्याण कर अपना उद्धार कर सकें। सायंकाल आचार्य श्री की महाआरती का पुर्ण्याजन पुर्ण्याजक परिवार ने किया और प्रभु की भक्ति में श्रद्धालु झूमे और आकर्षक आरती के दीप सजाकर गुरूवर की आरती की। अखिल भारतीय विद्वत परिषद के संयोजन में 11 नबम्बर से प्रारम्भ होने वाली जैन स्त्रोत साहित्यानुशीलन राष्टीय विद्वत संगोष्ठी में सानिध्यता के लिए मुनि श्री को परिशद के अध्यक्ष प्राचार्य अरूण सांगानेर महामंत्री डा. सुरेन्द्र भारती, फूलचंद प्रेमी वारासी, डॉ. जयकुमार मजफरनगर, डॉ. अनेकांत जैन दिल्ली, आलोक शास्त्री, डॉ. सुनील संचय, डॉ. अमित जैन संजीव शास्त्री ने श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से दिगम्बर जैन पंचायत अध्यक्ष अनिल जैन अंचल, महामंत्री डॉ. अक्षय टडैया, धार्मिक संयोजक मनोज जैन बबीना, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, मंदिर प्रबंधक भगवानदास कैलगुवा, कपूरचंद लागौन, अजित जैन गदयाना, अकलंक जैन, जिनेन्द्र जैन रजपुरा, महेन्द्र चैधरी, संजीव सौरया, प्रभात लागौन, प्रमोद जैन पाय, जितेन्द्र जैन राजू, सुवेन्दु जैन, सुवोध जैन कैलाष सराफ, विमल जैन पाय, मुकेष सराफ, कैप्टन राजकुमार जैन, आनंद जैन अमित गारमेंट श्रीष सिंघई, अंकुर जैन मावा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। आज मुनि सुधासागर महाराज को पडगाहन का सौभाग्य मृदुला जैन राहुल कलरैया परिवार, मुनि पूज्य सागर महाराज को पडगाहन अषोक जैन कैलगुवा एवं सुरेन्द्र

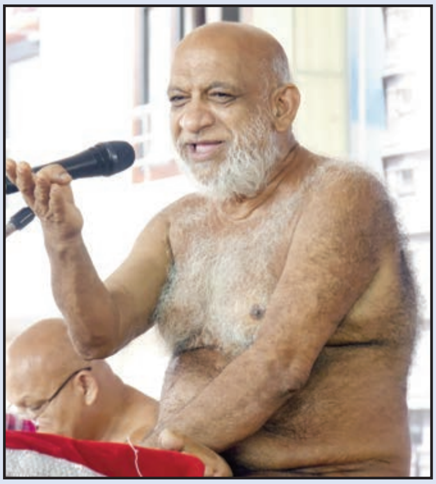

जैन छिपाई परिवार, ऐलक धैयसागर महाराज को पडगाहन सुरेश जैन स्वतंत्र इमलिया, क्षुल्लक गम्भीरसागर महाराज कोपडगाहन जिनेन्द्रजैन विकास जैन घी परिवार को मिला। सायंकाल क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज ने धर्मसभा में श्रावकों को धर्ममय जीवन अपनाने के लिए सीख दी। जिला मुख्यालय के निकटवर्तीय तीर्थ मूर्तिकला के लिए विख्यात सीरोन जी अब मुनि श्री सुधासागर महाराज की प्रेरणा और आशीर्वाद से अद्वितीय तीर्थ की रूपरेखा तैयार हो रही। मुनि श्री ने सेरोन का नामकरण श्री शान्तिनाथ सतोदय तीर्थ कर विकास के लिए प्रेरणा दी। अब वह दिन दूर नही

दुर्गापुरा मे आचार्य श्री विद्यासागर जी के 51वे दिक्षा दिवस पर हुई महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट , श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला आंचल त्रिशला सम्भाग एवं समस्त दिगंबर जैन समाज ने सामूहिक रूप से मिलकर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 51वें आचार्य पदारोहण दिवस पर महा आरती का आयोजन परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी के सानिध्य में किया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड एवं श्री दिगम्बर जैन महा समिति महिला आंचल त्रिशला संभाग की अध्यक्ष श्रीमती चन्दा सेठी ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला, श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाडिया एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठियों ने आरती में बड़े उल्लास के साथ भाग लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य श्री विद्या सागर जी के 51वे आचार्य पद पदारोहण पर बापूनगर मे हुई महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विद्या सागर जी के 51वे आचार्य पद पदारोहण के अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बापूनगर मे रात्रि 8 बजे महाआरती की गई। इस अवसर पर बापूनगर समाज के गण मान्य श्रावक उपस्थित थे ।

कीर्ति नगर जैन मंदिर मे हुआ महा आरती का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अर्तयात्री युगपुरुष आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के स्वर्णिम 50 वें आचार्य पदारोहण दिवस पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर जयपुर में आज अत्यंत हर्षोल्लास के साथ 51 दीपको से महाआरती एवं भजनों का आयोजन किया गया जिसमें पाठशाला के बच्चे एवं समाज के समस्त गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।

श्री विद्यासागर जी महाराज का स्वर्णिम आचार्य पद पदारोहण दिवस भक्तिभाव एवम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया।

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति एवम महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा परम श्रद्धेय अंतर्यात्री महापुरुष, अपराजेय साधक, युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पद पदारोहण दिवस के पावन अवसर पर आज गुरुवार, दिनांक 10 नवम्बर 2022 को रात्रि 8 बजे महावीर सर्कल स्थित आचार्य श्री की दीक्षा स्थली कीर्ति स्तंभ पर महा आरती का कार्यक्रम रखा गया । जिसमे समिति सदस्य, महिला महासमिति की सभी इकाई सदस्याए एवम सकल जैन समाज के अनुयायी अपने अपने हाथो में दीपक लेकर एक साथ महाआरती में भाग लिया। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि राष्ट्रीय महिला समिति के आव्हान पर पूरे भारत वर्ष में एक साथ इस कार्यक्रम को करके वर्ल्ड रिकार्ड बनाया जा रहा है।

राज्यपाल ने भारतीय संस्कृति, पारम्परिक परिधानों एवं धरोहर संरक्षण के लिए विधि सिंघानिया को सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने भारतीय संस्कृति, पारम्परिक परिधानों एवं धरोहर संरक्षण हेतु किए गए विशिष्ट कार्यों के लिए समाज सेवी श्रीमती विधि सिंघानिया को गुरुवार को राजभवन में सम्मानित किया।

8वे नेत्र लेंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

12 नवम्बर को झिलाय, निवाई मे होगा रक्तदान व नेत्र जांच शिविर

13 नवम्बर को होंगे चयनित रोगियों के लेंस प्रत्यारोपण के आपरेशन

विगत 7 शिविर मे हुए 1067 सफल नेत्र प्रत्यारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेठ जगनाथ कपूर चंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय , दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर तथा श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सोशल एंड ब्लड एड सोसायटी जयपुर तथा दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित निशुल्क नेत्र जांच , लेंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर का सम्मान एवं समापन समरोह सोमवार, दिनॉक 14 नवंबर 2022 प्रातः 9:30 श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में आयोजित किया जाएगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या ने बताया कि शिविर के विशेष सहयोगी संस्थाएं जैन सोश्यल ग्रुप महानगर जयपुर, श्री आदिनाथ फाउंडेशन, पटेल मार्ग , मानसरोवर जयपुर, जैन सोशल ग्रुप राजधानी जयपुर, श्री आदिनाथ महिला जागृति परिषद मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर है। सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर शनिवार दिनॉक 12 नवंबर 2022 प्रातः 9:00 से 1:00 तक राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल , झिलाय ,तहसील निवाई , टोंक में आयोजित किया जाएगा , आयोजित शिविर में लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित रोगी शनिवार 12 नवंबर को 5:30 बजे दिगंबर जैन आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर लाए जाएंगे रोगियों के ऑपरेशन रविवार 13 नवंबर 2022 को नवीन तकनीक व आधुनिक मशीनों द्वारा डॉक्टर विरेंद्र लेजर फैको सर्जरी सेंटर, टोंक रोड , जयपुर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करता सुशील कुमार पहाड़िया, मुख्य अतिथि श्रीमति तारा देवी अजमेरा विनय , विशाल , अजमेरा, अध्यक्षता सुरेन्द्र कुमार पांड्या, गौरवमयी अतिथि राजीव जैन पी आर ओ जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन नॉर्दन रीजन, यश कमल अजमेरा, पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन तथा विशिष्ट अतिथि महेंद्र कुमार रावका तथा विजय - माया जैन झंझरी होंगे ।रीजन अध्यक्ष राजेश -सीमा बड़जात्या ने बताया कि शिविर के पोस्टर का विमोचन भट्टारकजी की नसिया में खचाखच भरे हरिश्चंद्र तोतुका सभागार में किया गया ।इस अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश - मनोरमा दोषी व राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष राकेश - कल्पना विनायका श्रीमती संगीता जी अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष , अतुल - निलिमा बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष , रीजन महासचिव निर्मल - सरला संघी , रीजन कार्याध्यक्ष सुनील बज , रीजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण अजमेरा , रीजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष वैद , संगिनी फार एवर ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला बिनायका, सचिव सुनीता गंगवाल , कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन, सम्यक ग्रुप के महावीर बिनायका, अध्यक्ष महावीर बोहरा, सचिव इन्दर कुमार जैन तथा सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका उपस्थित थे।

आंवला के फायदे-उपयोग

आंवला बेशक छोटा-सा फल है, लेकिन गुणों के मामले में इसकी कोई तुलना नहीं है। लगभग हर घर में प्रयोग होने वाला यह फल कई मामलों में गुणकारी है। फिर चाहे आप इसे अचार के तौर पर खाएं या इसका जूस पिएं या फिर औषधी के तौर पर प्रयोग करें, हर लिहाज से यह फायदेमंद है। हालांकि कुछ लोग आंवला खाने के फायदे नहीं जानते, लेकिन इस कमी को हम आज पूरा कर देते हैं। आज इस लेख में हम आंवला के फायदे तो आपको बता ही रहे हैं...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

आंवला के अन्य नाम

आंवले के कई अन्य नाम भी है, अंग्रेजी में आंवला को एम्ब्लिका मायरोबेलन या इंडियन गूजबेरी कहते हैं, वहीं संस्कृत में इसे अमृता, अमृतफल, आमलकी व पंचरसा कहते हैं।इस छोटे से फल के जितने नाम है, उतने ही इसके फायदे भी हैं। आंवला के फायदे अनेक हैं, जिन्हें हम इस लेख में आगे विस्तार से भी बताएंगे।

वजन घटाने में सहायक
हड्डियों के लिए फायदेमंद
दिल के लिए सुरक्षित
पाचन शक्ति को बढ़ाता है
लिवर के लिए फायदेमंद
डायबिटीज में लाभकारी
बालों के लिए फायदेमंद
त्वचा के लिए लाभदायक

यहां हम आंवला के फायदों को विस्तार से वर्णित कर रहे हैं।

गले में खराश के लिए आंवला

बदलते मौसम के साथ बीमारियां लगी रहती है, कभी बुखार तो कभी सर्दी-खांसी और गले में खराश। अगर आप भी गले में खराश से परेशान हैं, तो आंवला एक कारगर घरेलू उपाय साबित हो सकता है। आप आंवले के रस का काढ़ा बनाकर उसका सेवन कर सकते हैं। आंवले की तरह ही आंवला रस के फायदे भी होते हैं। आंवला में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं ,जो बुखार या गले की खराश में मददगार साबित हो सकते हैं।

सामग्री

एक कप आंवला का रस
बारीक कटा हुआ अदरक
एक चम्मच शहद या शुद्ध पुराना गुड

बनाने की विधि

आंवले के जूस में बारीक कटा हुआ अदरक और एक चम्मच शहद या शुद्ध पुराना गुड मिला लें।फिर इसे सिरप की तरह पिएं।

दिल के लिए आंवला

आजकल की असंतुलित जीवनशैली के कारण लोगों का वजन बढ़ने लगा है, जिससे हाई कोलेस्ट्रॉल और दिल की बीमारियां हो रही हैं। ऐसे में अगर आंवला का सेवन करने से शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल और दिल की बीमारियां होने का खतरा कम होता है। वहीं, यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इसके सेवन से एथेरोस्क्लेरोसिस और कोरोनरी आर्टरी बीमारी जैसी दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

डायबिटीज में आंवले का सेवन

एक वक़्त था जब डायबिटीज एक उम्र के बाद होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आजकल के असंतुलित जीवनशैली के कारण डायबिटीज किसी को भी हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप वक़्त रहते इस पर ध्यान दें। अगर किसी को डायबिटीज है, तो वो आंवला का सेवन कर सकते हैं। आंवले में एंटी-डायबिटिक गुण हैं , जो डायबिटीज के खतरे को कम करते हैं। इसके अलावा, डायबिटीज के मरीज आंवले का सेवन करते हैं, तो उनका ब्लड ग्लूकोज लेवल कम हो सकता है। यह डायबिटीज के मरीजों में कोलेस्ट्रॉल लेवल भी कम कर सकता है ।

सामग्री

दो चम्मच आंवला का जूस
चुटकी भर हल्दी

बनाने की विधि

आंवला और हल्दी को मिलाकर मिश्रण बना लेंफिर सुबह-सुबह इस मिश्रण का सेवन करें। इससे आपका ब्लड शुगर लेवल संतुलित हो सकता है।

बढ़ती उम्र के प्रभाव को रोकता है

आंवले में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से कुछ हद तक रोक सकते हैं। यह मुक्त मूलकों के प्रभाव को नियंत्रित कर, बढ़ते उम्र के प्रभाव को कम कर सकता है। अगर आंवला और हल्दी का सेवन एकसाथ किया जाए, तो बढ़ती उम्र का प्रभाव कम होता है, क्योंकि इन दोनों में

ही कई औषधीय गुण होते हैं ।

बार-बार पेशाब लगने की गतिविधि बढ़ जाती है

सही आहार न लेने से या सही जीवनशैली न होने के कारण शरीर में विषैले पदार्थ जमने लगते हैं, जिनका बाहर निकलना जरूरी होता है। इसके लिए आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करने की जरूरत होती है। आंवले में डायूरेटिक गुण होते हैं , इसलिए इसका सेवन करने से आपको बार-बार पेशाब जाने की जरूरत महसूस हो सकती है। इसके सेवन से आपका शरीर डिटॉक्सीफाई होता है और आपके शरीर के विषैले पदार्थ मूत्र के जरिए बाहर निकल जाते हैं।

पाचन शक्ति के लिए आंवला

व्यस्तता भरी जिंदगी के कारण लोग अपने खाने-पीने पर ध्यान नहीं देते, जिस कारण पाचन तंत्र खराब हो जाता है।कभी-कभी तो पेट से जुड़ी गंभीर बीमारियां भी होने लगती है। ऐसे में कुछ लोग दवाइयों के आदि हो जाते हैं, जिसके साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इन सब समस्याओं का आंवला ही एकमात्र उपचार है। आंवले में फाइबर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पाचन क्रिया के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। आंवले से अल्सर, गैस्ट्रिक और पाचन क्रिया से संबंधित समस्याएं काफी हद तक कम हो सकती हैं।

रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है

कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक शक्ति कमजोर होती है, इसलिए बदलते मौसम के साथ ही उन्हें सर्दी-खांसी व बुखार हो जाता है।ऐसे में अगर आंवला का सेवन किया जाए, तो रोग प्रतिरोधक क्षमता में काफी हद तक सुधार होता है । आंवला में मौजूद एंटीबैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और कई अन्य गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं।इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकता है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है आंवला

बढ़ती उम्र के साथ-साथ हमारी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि वक़्त रहते इस पर ध्यान दिया जाए, नहीं तो आगे चलकर आर्थराइटिस जैसी गंभीर समस्या हो सकती है। कई बार जरूरी पोषक तत्वों की कमी से हड्डियों से जुड़ी परेशानियां होने लगती है।ऐसे में दवाइयों के आदि बनने से पहले घरेलू उपायों को आजमाया जाए और सबसे आसान घरेलू उपाय है आंवला। आंवले में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद हैं। इसके अलावा, इसमें विटामिन-सी भी होता है , जो आपकी हड्डियों की परेशानी को दूर कर सकता है।कोशिश करें कि हर रोज आंवले का रस या थोड़ा आंवला अपने आहार में शामिल करें। इससे हड्डियां मजबूत होंगी और हड्डियों की बीमारी का खतरा कम हो सकता है।

महिला संभाग, मानसरोवर द्वारा स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के अवसर पर महाआरती का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया
श्री दिगम्बर जैन महासमिति पार्श्वनाथ महिला संभाग, मानसरोवर के द्वारा रात्रि ठीक 8.00 बजे परम पूज्य संतशिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के 50 वे स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के अवसर पर महाआरती का आयोजन उल्लास एवं भक्ति के साथ किया। अध्यक्ष नीता जैन, मंत्री भँवरी देवी जैन ने बताया कि सभी ने बहुत आनन्द एवं उत्साह के साथ इस आयोजन में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

श्री महावीर कॉलेज के विद्यार्थियों ने लहराया जीत का झंडा

श्री महावीर कॉलेज के विद्यार्थियों ने अलग-अलग प्रतियोगिता में लहराया जीत का परचम

जयपुर. शाबाश इंडिया। कॉलेज के विद्यार्थी भानु प्रताप सिंह ने 31 वी अखिल भारतीय जीवी मावलकर शूटिंग चौंपियनशिप में भाग लिया व इस प्रतियोगिता में उन्होंने ब्रोंज पदक प्राप्त किया। वहीं यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान द्वारा आयोजित आल इंडिया यूनिवर्सिटी योग टीम के अंतर्गत कॉलेज छात्र पूर्विक धूपिया को चुना गया। जवाहर कला केंद्र में आयोजित 6३ँ जयुपर कला महोत्सव कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने अलग - अलग कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसके अंतर्गत रिंकी रुपानी ने सोलो सॉन्ग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और हिमानी दास ने कॉर्टून कैरीकेचर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के अध्यक्ष श्री उमराव मल संघी, मानद मंत्री श्री सुनील जी बख्शी और कॉलेज प्राचार्य डॉ. आशीष गुप्ता की तरफ से उन्हें बधाईयां प्रेषित की गई।

संस्कारी बेटी तेरापंथ की कार्यक्रम का आयोजन

भुज. शाबाश इंडिया

युगप्रधान शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के पावन सानिध्य में तेरापंथ महासभा का विशेष उपक्रम बेटी तेरापंथ की के अंतर्गत "**संस्कारी बेटी तेरापंथ की**" विशेष कार्यक्रम तेरापंथ भवन भुज में आयोजित हुआ। मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने इस अवसर पर कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ में महिला जागृति तथा संस्कार संवर्धन के संदर्भ में आचार्य श्री भारमलजी स्वामी ,श्रीमद् जयाचार्य, पूज्य कालूगणि तथा आचार्यश्री तुलसी आदि आचार्यों ने तेरापंथ की बेटी संस्कारवान कैसे बने तथा जिस परिवार की बहू बने वहां भी धार्मिक वातावरण संस्कारी वातावरण बनाए रखें इसके लिए विशेष श्रम किया है ।बेटी संस्कारवान बनती है तो दो कुलों को रोशन करती हैं ।कच्छ भुज में तेरापंथ की बेटियों का सक्रिय संगठन एवं माहौल सन 2013 के आचार्यश्री महाश्रमणजी के कच्छ प्रवास के दौरान बना था। तेरापंथ की बेटियां आज भी गुरुवर के प्रति भक्तिवान बनकर उनके दिशानिर्देश को पालन करने के लिए सदा तत्पर बनी रहती हैं ।मुनिश्री ने आव्हान किया की आगे संभावित आचार्यश्री महाश्रमणजी के कच्छ प्रवास के दौरान तेरापंथ की बेटियां विशेष सेवा दर्शन का लाभ उठाने की योजना तैयार करें ।कार्यक्रम का प्रारंभ नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ ।मंगलाचरण वीणा मेहता ने किया ।तेरापंथी महासभा के प्रकल्प बेटी तेरापंथ की जूम मीटिंग एवं ऑनलाइन फॉर्म की जानकारी शांतिलालजी जैन ने दी ।ध्यान प्रयोगों के साथ आदित्य मुनि ने धर्म आराधना की प्रेरणा प्रदान की ।तेरापंथ सभा भुज के अध्यक्ष वाडीभाई मेहता ने उपस्थित सभी तेरापंथी बेटियों का स्वागत किया। महिला मंडल भुज से दीपा मेहता ने मंगल भावना व्यक्त की। तेरापंथी बेटियों की तरफ से पुनीता बहन ने मुनिश्री के प्रति इस तरह के कार्यक्रम आयोजन के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।